पूर्वज आत्माओं की जिम्मेदारी

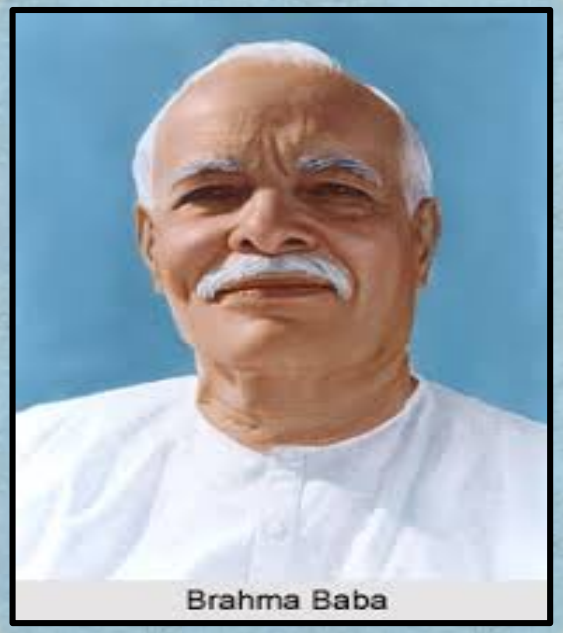

ब्रह्माकुमारीझ प्रस्तुति

पूर्वज आत्माए कौन है? कैसे है?

- जिस को आप, बाप और ड्रामा में पूरा निश्चय है|
- जिस का विश्वनाटक में आदि से अंत तक का ओलराउंड पार्ट है|
- जो हीरो पार्टधारी हीरे समान आत्मा है|
- जो बाबा के आदिरत्न है|
- जो बाबाकी बेहद एवं विहंग मार्ग की सेवा के लिए निमित्त बनते है|

पूर्वज आत्माओं की विशेषताए

- समत्व का भाव; विश्वबंधुत्व का भाव; दातापन का भाव
- रहमदिल; करुणामूर्त
- विश्वकल्याणी; महादानी; वरदानी
- बेहद की वैराग वृत्ति; उपराम अवस्था

* जब चाहे जितना चाहे लाइट हाउस-माईट हाउस की स्थिति में स्थित रह सकते है

पूर्वज आत्माओं की जिम्मेदारी

- विश्वकी की सभी आत्माओं को बाबा के ज्ञानसे प्रकाशित करना
- विश्व की आत्माओं को अपने स्वधर्म में स्थित करना और शक्तिओ से एवं गुणों से सम्पन्न बनाना
- विश्व के सभी धर्मो की आत्माओं को मुक्ति दिलाना
- विशेष रूपसे कल्पवृक्ष के तले में बेठ हर आत्मा रूपी पत्तो का सिंचन कर उनका सशक्तिकरण करना

पूर्वज आत्मा बनने लिये हम चेक करे

- चेक करे की हमारी दिनचर्या बाबा की श्रीमत अनुसार है?
- वस्तु, व्यक्ति, पदार्थ, परिस्थिति, सम्बन्ध, संपर्क, साधन, समृध्धि के लगाव, प्रभाव और आकर्षण से कितने परे रहते है?
- अंतरमुखि और एकाग्रचित्त कितना रहते है?
- मन, वचन, कर्म, दृष्टी, वृत्ति में पवित्रता का स्तर कैसा रहता है?
- बेहद की वैरागवृत्ति और सर्वांश त्यागी की अवस्था का स्तर कैसा है?
- कर्मयोग और निरंतर योग के पुरुषार्थ में सफल कितना रहते है?

Continued.....

- हमारी भावनाओ कि सकारातमकता को चेक करे

- जब चाहे जितना चाहे अव्यक्त फरिस्तापन की एवं निराकारी बीजरूप स्थिति मे स्थित रह सकते है?

पूर्वज रूप में कल्पवृक्ष के तले में बेठ हर आत्मा रूपी पत्तो का सिंचन कर उनका सशक्तिकरण करने के योगाभ्यास के क्रमिक सोपान

१. देहभान से मुक्त हो कर, आत्मिक स्मृति में स्थित होकर, आत्माकी शाश्वतता का अनुभव कर, स्वयं के वैश्वीकरण का अनुभव करना
२. समग्र सृष्टि रूपी कल्पवृक्ष को अपने मानस पटल पर इमर्ज करो
३. अपने आप को कल्पवृक्ष के मूल में तपस्वी रूप में इमरज कर पूरा कल्पवृक्ष मेरे पर आधारीत है और उसके मूल मेरे मस्तक पर चारो और बिखरे हुए है एसा मानस दर्शन करे
४. समग्र कल्प वृक्ष की जर्जरित तमोप्रधान अवस्था को इमरज करे और विश्व की वर्त्तमान परिस्थिति को देखे

Continue.....

५ कल्प वृक्ष को नवपल्लवित करने के लिए अपनी प्रकाशित आत्मा में से पवित्रता का चमकता सफ़ेद प्रकाश प्रसारित करे और वो प्रकाश कल्पवृक्ष के आत्मा रूपी हर पत्ते को टाल टालियो के माध्यम से पहुच रहा है एसा मानस दर्शन करे

६. कल्प वृक्ष की विविध शाखाए विश्व के विविध धर्मो को दर्शाती है | उन शाखाओ के माध्यम से हर धर्म की आत्माओ को निर्मल प्रेम और शाक्तिओ से संपन्न करे और ज्योति स्वरूप परमपिता परमात्मा में एवं उनके धर्म स्थापक में उनका निश्चय बढे ऐसी शुभभावना अभिव्यक्त करे |

ॐ शांति

Thanks to Baba & All of You